

Written by हरीश चन्द्र तिवारी
Saturday, 02 April 2011 19:50

यशवंत जी, नमस्कर, जैसा कि संज्ञान में आया है कि संडे नई दुनिया जैसे अखबार में भी जलिले स्तर पर वतिरण व्यवस्था से जुड़े कि जैसी धारके क शोषण बखूबी किया जा रहा है कि पहले तो यह होता है कि जैटो को बगैर बताये उनकी कि जैसी समाप्त कर दी जाती है फिर उनके द्वारा जमा करायी गयी जमानत धनराशि वापस नही की जाती है कि उत्तर प्रदेश के जनपद गोण्डा जिले में कि कमामला प्रकाश में आया है कि

गोण्डा नगर में संडे नई दुनिया के कि जैट सुमन तिवारी के कि जैसी 06 जून 2010 को बन्द कर दी गयी थी और उसे मार्च 2011 बीतने के बावजूद अभी तक उसकी जमानत धनराशि करीब कि कलाख रुपये अखबार द्वारा वापस नही किया गया है कि जैट ने इस सम्बन्ध में नई दुनिया के इन्दौर, दिल्ली से लेकर लखनऊ आफिस तक अपने रुपये पाने के लिये ईमेल किया व पत्र लिखा लेकिन उसे नई दुनिया के ओर से कोई जवाब नही मिला कि श्रीमान यशवंत जी, कृपया इस वषिय पर वषिय ध्यान दें कि अखबारों के समाज क पथ प्रदर्शक माना गया है और नई दुनिया जैसा बड़ा अखबार क्या कि जैटों के पैसे मार कर उसके बल पर चल रहा है या फिर वह अपने सरकुलेशन देने वाले कि जैटो क कोई अस्तित्व ही नही समझ रहा है?

द्वारा

0000 0000000 0000000

गोण्डा

000 00000 00 0000 000000 00 00000 00 00000000 00 00 000000 00 0000 0000000 00000 0000 .00 000000
00 0000 00000 bhadas4media@gmail.com 00 .